

S.T., S.E.T., N.E.T., স্নাতক, স্নাতকোত্তর স্তরের ভূগোল
কর্দের জন্য তথ্য ও তত্ত্বসমূহ প্রন্থ।

ভূগোলিকা

কানাইলাল মঙ্গল
ও
আলোকনাথ ঘোষ



প্রতিভা প্রকাশনী

৭ বি কলেজ রো, কলকাতা-৭০০ ০০৯



সূচিপত্র

প্রথম অধ্যায় : শিক্ষার একটি শাখা হিসেবে

- ◆ ভূগোল
- ◆ ভূগোলের পরিধি
- ◆ ভূগোলের বিভিন্ন শাখা

দ্বিতীয় অধ্যায়ঃ মহাবিশ্ব ও পথিকী

- ◆ সম্প্রসারণশীল মহাবিশ্ব
 - ◆ গ্যালাক্সি
 - ◆ কোয়েজার
 - ◆ মিক্রিওয়ে
 - ◆ ব্রাকহোল
 - ◆ পৃথিবীর উৎপত্তি সংক্রান্ত মতবাদ

◆ বিগ ব্যাং তত্ত্ব

তৃতীয় অধ্যায়ঃ ডঃ-গাঠনিক প্রক্রিয়া

- ◆ ভূ-অভাস্তুর গঠন
 - ◆ পৃথিবীর ভূ-স্তৰ
 - ◆ শিলা
 - ◆ জীবাশ্ম
 - ◆ বৃপ্তাস্ত্রিত শিলা
 - ◆ ভাজ
 - ◆ চুতি
 - ◆ পর্বতমালা গঠন
 - ◆ পাত সংস্থান
 - ◆ মহীসঞ্চরণ মতবাদ
 - ◆ সম্মুখবক্ষের বিকৃতি
 - ◆ সমস্থিতি মতবাদ
 - ◆ ভূমিকম্প
 - ◆ সুনামি
 - ◆ আগমনিকবি

চতৃত্ব অধ্যায়ঃ ভগ্নিপবিদা

- ◆ ভূমিরূপগঠনকারী প্রক্রিয়া
 - ◆ শিল্পবিকাশ ও ভূমিরূপ
 - ◆ আবহাবিকার
 - ◆ রাসায়নিক আবহাবিকার
 - ◆ পঞ্জিক ক্ষয়

131

| | | |
|----------------|---|---------|
| 1-31 | ◆ জলচক্র | 186 |
| 2 | ◆ জলনিকাশ | 189 |
| 2 | ◆ নদীর কার্য | 190 |
| | ◆ জলনিগম প্রণয়নী | 191 |
| 32-56 | ◆ পুনর্বীবন্মালা | 198 |
| 32 | ◆ হিমবাহের কার্য | 203 |
| 35 | ◆ বায়ুপ্রবাহ ও ভূমিরূপ | 205 |
| 35 | ◆ ভোমজল | 212 |
| 36 | ◆ প্রস্তর | 222 |
| 37 | ◆ কাস্ট অঞ্চল | 226 |
| 38 | ◆ সমুদ্রতরঙ্গের কাজ | 229 |
| 50 | ◆ ভূমিরূপের উত্থান | 241 |
| 57-167 | ◆ ড-গাণ্ঠিক খামেলা | 253 |
| 57 | পঞ্চম অধ্যায় : ভূগোল ইতিহাস বিকাশ | 266 |
| 60 | ◆ পথবীর বর্ণনা হিসেবে 'ভূগোল' বাক্য | 268 |
| 72 | ◆ ভূগোল আলোচনায় বিভিন্ন পদ্ধতি | 285 |
| 78 | ◆ মাত্রিক ভূগোল | 295 |
| 80 | ◆ কল্যাণশূলক ভূগোল | 297 |
| 86 | ◆ স্থানের ধারণা | 304 |
| 93 | ◆ অঞ্চল | 306 |
| 103 | ◆ কল্যাণশূলক ভূগোলের বিকাশ | 312 |
| 107 | ষষ্ঠি অধ্যায় : সমুদ্রবিদ্যা | 313-350 |
| 117 | ◆ মহাসেসান ও মহীডাল | 313 |
| 125 | ◆ সমুদ্রসৌত | 317 |
| 129 | ◆ মহাসমুদ্রের তলদেশ | 325 |
| 137 | ◆ মহাসাগরগুলোর তলদেশের ভূ-প্রকৃতি | 327 |
| 148 | ◆ মহাসমুদ্রের সংস্থয় | 333 |
| 150 | ◆ প্রবাল প্রতীর | 337 |
| 168-267 | ◆ মহাসমুদ্রের সম্পদ | 339 |
| 168 | ◆ সমুদ্রবৃক্ষ | 341 |
| 172 | ◆ সমুদ্রজলের লবণ্যতা | 343 |
| 175 | ◆ মহাসমুদ্রের উষ্ণতা | 347 |
| | ◆ সমুদ্র আইন | 349 |
| 177 | সপ্তম অধ্যায় : জলবায়ুবিদ্যা | 351-381 |
| 182 | ◆ বায়ুমন্ডলের উপাদান | 361 |

2

- 2 ♦ জলানকাশ
- 2 ♦ নদীর কার্য

- | | |
|---------------|-------------------------|
| 32-56 | ◆ জড়নির্গম প্রণালী |
| 32 | ◆ পুনরোবনলাভ |
| 35 | ◆ হিমবাহের কার্য |
| 35 | ◆ বায়ুপ্রবাহ ও ভূমিরূপ |
| 36 | ◆ ভৌমজল |
| 37 | ◆ প্রশ্রবণ |
| 38 | ◆ কাস্ট অঞ্চল |
| 50 | ◆ সমুদ্রতরঙ্গের কাজ |
| 57-167 | ◆ ভূমিরূপের উপাখন |
| | ◆ ত্ব-গাঁথিনিক বায়মলা |

57

60 ♦ পৃথিবীর বর্ণনা হিসেবে 'ভগোল' বাংখা 268-312

- | | | |
|-----|---------------------------------|-----|
| 72 | ❖ চুগোল আলেচনায় বিভিন্ন পদ্ধতি | 268 |
| 78 | ❖ মাত্রিক চুগোল | 285 |
| 80 | ❖ কল্যাণমূলক চুগোল | 295 |
| 86 | ❖ স্থানের ধারণা | 297 |
| 93 | ❖ অঙ্গুল | 304 |
| 103 | ❖ কল্যাণমূলক চুগোলের বিকাশ | 306 |

107

117 ♦ মহাসোপান ও মহীচাল 313

- | | | |
|----------------|---------------------------------------|------------|
| 125 | ❖ সমুদ্রশোত | 317 |
| 129 | ❖ মহাসমুদ্রের তলদেশ | 325 |
| 137 | ❖ মহাসাগরগুলোর তলদেশের ভূ-প্রকৃতি | 327 |
| 148 | ❖ মহাসমুদ্রের সংজ্ঞয | 333 |
| 150 | ❖ প্রবাল প্রাচীর | 337 |
| 168-267 | ❖ মহাসমুদ্রের সম্পদ | 339 |
| 168 | ❖ সমুদ্রবৃষ্ণ | 341 |
| 172 | ❖ সমুদ্রজলের লবণতা | 343 |
| 175 | ❖ মহাসমুদ্রের উষ্ণতা | 347 |
| 175 | ❖ সমুদ্র আইন | 349 |
| 177 | সমুদ্র অধ্যায় : জলবায়ুবিদ্যা | 351 |
| 182 | ❖ বায়ুমন্ডলের উপাদান | 351 |

ସମ୍ବନ୍ଧ ଆହନ

୩୫୧

৩৫৯ নবম অধ্যায় ৪ পারিবেশ কুটোনা

- ♦ জীবনমত্ত্বের দারণা।
- ♦ বাস্তুত্ব
- ♦ শিষ্টপ্রবাহ
- ♦ খাদ্যশৃঙ্খল ও চাদাজ্ঞাল
- ♦ জৈব তু-রাসায়নিক চক্র
- ♦ জীবচৰ্মি
- ♦ পরিবেশের অবস্থান ও দুয়োগ।
- ♦ দূৰণ
- ♦ পরিবেশীয় ব্যবস্থাপনা ও সহৃদ
- ♦ প্রাকৃতিক পরিবেশ সম্বন্ধে ধারণা
- ♦ মানব পরিবেশ সম্পর্ক
- ♦ বিপর্যবেক্ষণের পথে

415 [পৰিচয়](#)

- ◆ ভূগোল
- ◆ যুদ্ধ লিঙ্গ এবং জনসংখ্যা পিরামিড
- ◆ পেশাগত গঠন
- ◆ মানব সম্পদ
- ◆ জনসংখ্যা বৃদ্ধির তত্ত্বসমূহ
- ◆ জনসংখ্যা বিবরণ তত্ত্ব
- ◆ মানব উন্নয়ন সূচক
- ◆ প্রচরণ, অভিগমন, পরিবারাণ
- ◆ নগরায়ণ

অষ্টম অধ্যায়ঃ জীবভূগোল

| | | | |
|--|-----|---|-----|
| ◆ জীবভূগোল ধারণা | 448 | ◆ মনুষ্য বসতি | 646 |
| ◆ মৃত্তিকা সৃষ্টির নিয়মস্থানসমূহ | 458 | ◆ খাদ্য নিরাপত্তা | 652 |
| ◆ মৃত্তিকা সৃষ্টির প্রক্রিয়াসমূহ | 463 | ◆ বেকারী | 656 |
| ◆ মৃত্তিকা ভূয়ায়ন | 467 | ◆ কর্মনিয়ুক্তি | 659 |
| ◆ মৃত্তিকা স্টোর ও রাসায়নিক ধর্ম | 472 | ◆ লিঙ্গ বৈশম্য | 661 |
| ◆ পথবীর মৃত্তিকাবলম্ব | 482 | ◆ মানব কল্যাণ | 663 |
| ◆ মৃত্তিকা ক্ষয় ও সংরক্ষণ | 493 | ◆ দুর্বিকল্প | 666 |
| ◆ প্রাকৃতিক উত্তিন ও পরিবেশীয় সম্পর্ক | 495 | একাদশ অধ্যায় : অর্থনৈতিক ভূগোলের ধারণা | |
| ◆ আর্থৰ সংরক্ষণ | 503 | ◆ অর্থনৈতিক ভূগোলের ধারণা | 667 |
| ◆ সামাজিক বনস্পতি | 505 | ◆ সম্পদ | 672 |
| ◆ জীববৈচিত্র্য ও প্রাণী প্রজাতি | 506 | ◆ অর্থনৈতিক কার্যাবলি | 685 |

৪৯৫ একাদশ অধ্যায় : অর্থনৈতিক ভাগে

| | | |
|-----|---------------------------|-----|
| 503 | ❖ অর্থনৈতিক ভূগোলের ধারণা | 667 |
| 505 | ❖ সম্পদ | 672 |
| 506 | ❖ অর্থনৈতিক কার্যাবলি | 685 |

| | | | |
|--|-----|--|----------------|
| ◆ আবণ্য সম্পদ | 694 | ◆ কৃষিকাজ | 873 |
| ◆ কাষ্ট আহরণ | 696 | ◆ ভারতের শুষ্ক কৃষি অঞ্চল | 880 |
| ◆ দোহ কৃষি | 704 | ◆ ভারতের কৃষি অঞ্চল | 882 |
| ◆ শ্বেত বিপ্লব | 707 | ◆ ভারতীয় আধনীতিতে কৃষি | 883 |
| ◆ নীল বিপ্লব | 709 | ◆ শিল্প | 886 |
| ◆ সমুদ্র সম্পদ | 710 | ◆ ভারতে শিল্পের সমস্যা | 892 |
| ◆ জলসম্পদ | 719 | ◆ ভারতের জনগণনা | 895 |
| ◆ ভূমির ব্যবহার | 726 | ◆ জনসংখ্যা | 899 |
| ◆ খনিজ | 734 | ◆ ভারতের বস্তি জনসংখ্যা | 902 |
| ◆ শক্তি সম্পদ | 741 | ◆ ভারতের দারিদ্র্য | 904 |
| ◆ যায়াবরী ও বাণিজ্যিক পশুপালন | 745 | ◆ বাণিজ্য | 906 |
| ◆ কৃষিকাজ | 748 | ◆ পরিবহন | 910 |
| ◆ সবুজ বিপ্লব | 767 | ◆ দারিদ্র্য দূরীকরণে বিভিন্ন নীতি | 917 |
| ◆ শিল্প ও শিল্প অবস্থান সম্পর্কিত তত্ত্ব | 770 | ◆ দারিদ্র্য | 921 |
| ◆ বিশেষ অর্থনৈতিক অঞ্চল | 793 | ◆ ভারতের আঞ্চলিক শ্রেণিকরণ | 923 |
| ◆ অর্থনৈতিক বৈষম্য | 795 | ◆ আঞ্চলিক অর্থনৈতিক উন্নয়ন | 930 |
| ◆ সামাজিক অসাম্য | 796 | চতুর্দশ অধ্যায়ঃ মানচিত্রাঙ্কন বিদ্যা | 938-995 |
| ◆ বিশ্বার্থনীতির ক্রম | 797 | ◆ স্কেল ও তথ্য উপস্থাপনের কৌশল | 938 |
| ◆ স্থিতিশীল উন্নয়ন | 798 | ◆ মানচিত্র শ্রেণি ও বিশ্লেষণ | 946 |
| ◆ আন্তজাতিক বাণিজ্য | 799 | ◆ বিষয়মূলক মানচিত্র ও নীতি | 947 |
| ◆ বিশ্বের অর্থনৈতিক জোট | 801 | ◆ স্তুতি রেখাচিত্র | 948 |
| ◆ বিশ্ব বাণিজ্য সংস্থা | 803 | ◆ বৃত্তীয় লেখাচিত্র | 949 |
| ◆ অর্থনৈতিক বৈষম্য | 805 | ◆ আবহাওয়া লক্ষণ | 950 |
| ◆ বিশ্বায়নের প্রভাব | 806 | ◆ আবহাওয়া মানচিত্র ও অন্যান্য মানচিত্র | 952 |
| ◆ মুদ্রাস্ফীতি | 808 | ◆ বৈচিত্র্যসূচক মানচিত্র | 956 |
| ◆ আন্তজাতিক অর্থভাগার | 809 | ◆ মানচিত্র অভিক্ষেপ | 962 |

দ্বাদশ অধ্যায়ঃ সামাজিক ও সাংস্কৃতিক

ভূগোল

810-836

| | |
|-----------------------------------|-----|
| ◆ সামাজিক ভূগোলের প্রকৃতি ও পরিধি | 810 |
| ◆ ভাষা | 819 |
| ◆ ধর্ম | 825 |
| ◆ সাংস্কৃতিক অঞ্চল | 828 |

ত্রয়োদশ অধ্যায়ঃ ভারতের আঞ্চলিক

ভূগোল

837-937

| | |
|---------------------------|-----|
| ◆ ভূ-প্রকৃতি | 837 |
| ◆ নদনদী | 848 |
| ◆ জলবায়ু | 853 |
| ◆ মুক্তিকা | 857 |
| ◆ অরণ্য | 861 |
| ◆ খনিজসম্পদ ও শক্তি সম্পদ | 866 |
| ◆ জলসেচ | 870 |

পঞ্চদশ অধ্যায়ঃ তাত্ত্বিক ভূগোল

996-10

ষোড়শ অধ্যায়ঃ ভূগোল যখন ভাবায়

1012-10

